RAJYA SABHA

Friday, the 20th March, 1987| 29 *Phalguna,* 1908 (Saka)

The House met at eleven of the clock, Mr. Chairman in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

*321. *[The questioners {Shri Kai-lash Pati Mishra and Shri Atal Bihari Vajpayee) were absent. For answer,* vide *cols.* 34-35 infra.].

*322. *[The questioners, (Shrimati Sudha Vijay Joshi and Dr. C. Sil-vera) were absent, for answer,* vide cols. 35-36 infra].

*323. *[The questioner (Shri Pawan Kumar Bansal) was absent. Fo, answer,* vide cols. 36-37 infra.]

*324. [The *questioner (Shri Suhas Mohanty) was* absent. *For. asnwer,* vide *cols.* 37-38 infra.]

Violation of Government Orders inthe Payment of Wages to the CPWDStaff

*325. SHRI LAL K. ADVANI;
SHRI ASHWANI KUMAR; t

Will the Minister of URBAN DEV-ELOPMENT be pleased to state:

(a) whether the rates of wages as per the CPWD memorandum No. 17 (2)|80-A and C (DGW), dated the 20th November, 1985 are not being paid to the clerical or non-technical supervisory staff and to those who • are compelled to work as Enquiry Clerks and are paid as Beldars in the CPWD Enquiry Offices coming under the purview of Circle VI of the CPWD. if so, what are the details thereof;

tThe question was actually asked on the floor of the House by Shri Ashwani Kumar.

(b) whether there were instances where the clerks/typists/or even ste nographers in the Division/Sub-Divi sion Offices under Circle Vl of the CPWD, were also being paid as Bel-dars; if so, what are the reasons for the violation of Government's orders in this regard;

(c) whether there are proposals under the consideration of the CPWD to revert such employees to the posts of belders or to terminate their services instead of making payments of wages to them in terms of the aforesaid memorandum, if so, what are the reasons therefor; and

(d) since when such violations of the said Government orders are tak ing place?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVE-LOMENT (SHRI DALBIR SINGH): '(a) No Beldar is compelled to work as Enquiry Clerk. Willing Beldars are sometimes engaged to receive complaints at Enquiry Offices, in the absence of Enquiry Clerks. Payment of wages of. the Enquiry Clerk is therefore, not admissible in the case of Beldars.

(b) No, Sir.

(c) Such Beldars as are occasionally engaged to receive complaints are relieved of that work as soon as re-
' gular Enquiry Clerks join duty and on such relief, they go back to work as Beldars.

(d)-No violation of the Government, orders is involved in the aaforesaid arrangement.

श्री अश्विनी कुमार : माननीय सभापति महोदय, मंत्री महोदय ने स्वीकार किया है कि बहुत से बेलदारों से, जब क्लर्क नहीं रहते हैं, तो क्लर्क का काम लिया जाता है और यह भी स्वीकार किया है कि उनको क्लर्क की सैलरी नहीं दी जाती है और यह कह दिया गया है कि बेलदारी का काम करते हैं।

इस प्रकार से अगर कोई वालंटरी काम करता है, तो उसके लिए सैलरी देना उपयुक्त है कि नहीं है, यह मैं मंत्री महोदय से पहला प्रश्न जानना चाहूंगा ? कहां वालंटरी बात खत्म हो जाती है और कहां कम्पलशन शुरू हो जाता है, इसकी रेखा एक सरकारी बेलदार के लिए बहुत पतली है । तो मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि यह जो परम्परा है बेलदार से क्लर्क का काम कराना, यह अच्छी है--अंदर से काम कराना, परन्तु वह क्लर्क का यदि काम करे, तो उसको क्लर्क का वेतन क्यों दिया जाना चाहिए, यह किस गवर्नमेंट नियम के अनुसार है, यह जरा बताने की कृपा करें ?

श्री दलबीर सिंह : माननीय सदस्य ने जो दिल्ली में डिवीजन नम्बर 6 है, वहां के इन्कमटैक्स आफिसेज के बारे में आपने प्रश्न किया है । वहां पर 39 इन्कमटैक्स आफिसेज हैं और ऐसा कुछ नहीं है । जब कभी इन्कमटैक्स आफिस में क्लर्क्स एबसेंट हो जाते हैं, तो ओ.जनली उनको एप्लीकेशन्स रिसीव करना होता है, कुछ इन्कमटैक्स आफिस में यदि कोई एप्लीकेशन देने के लिए आते हैं, तो उनकी सुविधा के लिए ओकेजनली लगाया जाता है । इस पर जो बेलदार को डिसिगनेट पर ही लगाया जाता है । ऐसा कुछ नहीं कि महीना, दो महीने हम रखते हैं । जब कभी कोई क्लर्क एबसेंट होता है, उस वोज में वह आते हैं और जब वह क्लर्क आ जाते हैं, तो उनको अपने स्थान पर भेज दिया जाता है ।

श्री अश्विनी कुमार : माननीय सभापति महोदय, जो प्रश्न मैंने पूछा था, उसका उत्तर मंत्री महोदय ने नहीं दिया है । मैं सीधा प्रश्न पूछना चाहता हूं एक लाईन में कि अगर कोई बेलदार क्लर्क का काम करता है, तो आप उसको क्लर्क की सैलरी क्यों नहीं देंगे ? किस नियम के तहत उसको मना करेंगे ? डिसिगनेट और अनडिसिगनेट का प्रश्न नहीं है । आप उससे क्लर्क का काम ले रहे हैं, यह आपने स्वीकार किया है । जब आप काम क्लर्क का ले रहे हैं, तो किस कानून के अन्दर आप उनको सैलरी नहीं देंगे ?

श्री दलबीर सिंह : हम किसी भी बेलदार से क्लर्क का काम नहीं ले रहे हैं । ओकेजनली, मतलब इसमें जब कभी कोई और ऐसी आवश्यकता हो जाती है कि वहां क्लर्क यदि एबसेंट हो जाता है, तो उसकी एबसेंस में यदि कोई नहीं रहता है, तो वहां पर बेलदार को केवल एक, दो या चार दिन के लिए लगाते हैं, कि जो कम्प्लेंट्स आएं उनको रिसीव कर लीजिएगा । ऐसा नहीं है कि उससे क्लर्क का ही काम लें या क्लर्क का ही काम लेते हों ।

Action ' Flan for Distribution of Foodgrains in the Tribal Areas

*326. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL: t

SHRI D B. CHANDRE GOWDA:

Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) Whether Government have recently prepared an action plan to improve the distribution of foodgrains in the tribal areas of the country;

(b) if so, what are the details of the new action plan;

(c) whether the new action plan is under implementation; and

(d) if so, the extent to which the tribals in the country are likely to get-quality foodgrains at the earliest?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE. MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI H K. L. BHAGAT): (a) to (c) Government have introduced a scheme for the supply of

fThe question was actually asked on the floor of the House by Shri Harvendra Singh Hanspal.